गांव वाले चाचा की बेटी की चढ़ती जवानी का मजा

“मेरे चाचा की बेटी, मेरी चचेरी बहन, हमारे घर रहने आई, हम दोनों की खूब जमती है। इस बार उसके चूचे और चूतड़ काफ़ी उभर आए थे, उसके हाव भाव भी बदले हुए थे। ...”

Story By: imran hindi (imranhindi)
Posted: सोमवार, अप्रैल 10th, 2017
Categories: भाई बहन
Online version: गांव वाले चाचा की बेटी की चढ़ती जवानी का मजा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गांव वाले चाचा की बेटी की चढ़ती जवानी का मजा

मेरा नाम अमन है, मैं कुरुक्षेत्र हरियाणा से हूँ। मेर कद 5’9″ और मेरा लंड 6″ लम्बा, 2.5″ मोटा है।
मेरे घर में मेरे अलावा मेरे मॉम और डैड ही हैं।
मेरे एक चाचा गाँव में रहते हैं, उनकी दो बेटियाँ और एक बेटा है। चाचा की बेटी जूही, मेरी चचेरी बहन, दिखने में सेक्सी माल है, उसकी फ़ीगर 32-28-34 है, कद 5’5″ है।
शुरू से ही जूही और मेरी बहुत अच्छी बनती थी, चाची हर छुट्टियों में कुछ दिन के लिए जूही को शहर में हमारे घर भेज देती थी कि वो शहर में रह कर शहर के तौर तरीके सीखे लेकिन अब तो उसकी छुट्टियाँ ही छुट्टियाँ थी क्योंकि गाँव में बारहवीं तक के स्कूल के कारण वो 12वीं तक ही पढ़ी, चाची ने उसकी पढ़ाई रुकवा दी। जूही अब घर में ही रहती थी इसलिये वो शायद इतनी गोरी भी हो गई थी।

जूही और मेरी पक्की वाली दोस्ती थी, उसका कोई बॉयफ्रेंड नहीं था और मेरी भी कोई गर्लफ्रेंड नहीं थी।
इस बार भी जूही हमारे घर आई तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था क्योंकि मुझे अकेले रहना नापसन्द था।

पर इस साल जूही कुछ ख़ास ही दिख रही थी, उसके चूचे और चूतड़ काफ़ी उभर आए थे, उसके हाव भाव भी बदले हुए थे, वो बहुत कामुक अदाएँ दिखा रही थी।
यह सब देख कर मेरे दिमाग की बत्ती जलने बुझने लगी, मेरे दिल में उसके बुर चोदन का ख्याल उठने लगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जूही दिन भर घर के काम में मेरी मॉम की मदद करती थी और मैं उसे अपनी वासना भरी निगाहों से देखता रहता था।
जब वह मॉम के साथ कपड़े धुलवाती तो उसके कपड़े गीले हो जाते और उसकी शर्ट उसकी गांड की दरार में घुस जाती तो मेरा लंड झटके खाने लगता ! जब वो झुक कर झाड़ू लगाती तो मुझे उसके शर्ट के गले से उसकी चूचियों का नजारा देखने को मिलता।
इतना सब देख कर मैं मुठ मारे बिना नहीं रह पाता था।

रात को जूही मेरे ही कमरे में सोती थी, सोने से पहले हम दोनों देर देर तक बातें करते थे, अपने बारे में बताते कि मेरे साथ क्या क्या हुआ, मैंने क्या क्या किया। हम आपस में कोई भी बात नहीं छुपाते थे। जैसे अकसर बहन भाई में एक हद तक की ही बातचीत होती है, हम दोनों के बीच ऐसी कोई खास हद नहीं थी।

एक सुबह मैं सो कर उठा तो मैंने देखा कि मॉम डैड कहीं जाने की तैयारी कर रहे हैं। मैं मॉम के पास गया तो मॉम जूही को समझा रही थी कि खाना गर्म करके ही खाना और दोनों घर से बाहर मत निकलना।

मैंने मॉम को बीच में टोकते हुए पूछा- बात क्या है मॉम, कहां जा रहे हो आप लोग ?
तो मॉम ने कहा- मेरे दूर के मामा की मौत हो गई है तो वहाँ जाना है।

मॉम ने मुझे और जूही को घर पर ही रहने को कहा और कुछ पैसे भी दिए।
मैं उन्हें रेलवे स्टेशन पर छोड़ कर वापस घर आया, मैंने जब घंटी बजाई तो जूही ने दरवाजा खोला, वो बहुत खुश दिख रही थी, उसकी आंखों में एक अलग सी चमक नजर आ रही थी।

जूही ने नाश्ता लगाया और हम दोनों ने खाया। जब जूही मेरे सामने से मेरी प्लेट उठाने लगी तो उसके शर्ट से उसकी चूचियाँ दिखाई थी और मेरी नजर वहीं टिक सी गई, उसने भी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे चूचियां देखते देख लिया मगर उसने मेरे सामने से हटने की कोई जल्दी नहीं की, लग रहा था कि सब स्लो मोशन में हो रहा है।

फिर वो रसोई में बर्तन साफ़ करने लगी। मैं अपनी चचेरी बहन की चूचियओं का मजा लेने के लिये रसोई में चला गया और पानी पीने के बहाने उसके चूचों को देखने लगा। उसकी कमीज़ पानी से गीली हो गई थी और चूचियों से चिपक सी गई थी।

मैं उसकी गीली चूचियों का मजा ले ही रहा था कि उसकी नजर मुझ पर पड़ी तो मैंने हड़बड़ा कर अपनी नजर हटाई और वहाँ से निकलने की सोची।
पर उसने मुझे रोकते हुए पूछा, गुस्से में नहीं बल्कि शरारती भाव से- अमन भाई, तू दिन भर मुझे क्यों घूरता रहता है ?
मेरी तो गांड फट गई- नहीं तो.. कब घूरता हूँ ? ऐसा तो कुछ नहीं है।
जूही- अच्छा, जब मैं कपड़े बर्तन धोती हूँ.. झाड़ू लगाती हूँ तो ?

मैंने सोचा कि क्या बहाना बनाऊँ… फंस जाऊंगा और तभी मैंने कहा- मैं तो तुझे देख कर बस यही सोचता हूँ कि तुम इतना सारा काम इतनी अच्छे से कैसे करती हो ?
जूही- ओह्हो… तो तुझे मुझे काम करते देखना इतना अच्छा लगता है ?
उसने मेरा हाथ पकड़ लिया।
मैं- हाँ और नहीं तो क्या ? देखो तुम्हारे बर्तन कितने अच्छे से चमकते हैं।

जूही- बाप रे, तुझसे बातों में कोई नहीं जीत सकता.. अच्छा अमन, मेरा एक काम कर दे ?
मैं- हाँ जी बोलो जी मैडम जी ?
जूही- मेरे पीछे मेरी ब्रा का हुक ठीक से लगा दे, पता नहीं क्यों सुबह से चुभ सा रहा है।

मैंने उसकी शर्ट उठाई तो वो उसके शरीर से बिल्कुल चिपक रही थी, मेरा हाथ अन्दर ब्रा तक नहीं पहुँचा इसलिये मैंने उसे पूरा उतारना चाहा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने सोचा कि जूही मुझे रोकेगी पर उसने खुद हाथ ऊपर उठा कर मुझे शर्ट उतारने में मदद की। अब मेरी तरफ उसकी पीठ थी और वो सिर्फ ब्रा में थी।

‘उफ़्फ़ क्या गोरी चिकनी पीठ थी उसकी! और बिना शर्ट के उसकी सलवार में उसकी उभरी हुई गांड भी गजब लग रही थी.. उसकी नंगी पीठ और चूतड़ देखकर मेरा दिमाग ही खराब हो गया, मेरे हाथ जहाँ के तहाँ रुक गए।

तभी जूही बोली- क्या हुआ ? जल्दी कर ना!

मैंने उसका हुक ठीक बन्द करने के बजाए हुक खोल दिया और अब उसकी ब्रा उसके हाथ में थी और मैं धीरे धीरे उसकी कमर पर उंगलियाँ फ़िराने लगा।

अब वो भी अजीब आवाजें ‘उम्म अह हाह…’ निकाल रही थी और मजा लेकर सिर इधर उधर घुमा रही थी।

फिर मैंने उसे अपनी तरफ घुमाया तो जूही मुझ से चिपक गई, मेरे गले लग गई। उसकी नंगी चूचियाँ मेरी छाती से छुई तो मेरी अन्तर्वासना एकदम प्रज्ज्वलित हो उठी और मेरा लंड डण्डे की तरह सख्त हो गया। मैंने अपने होंठ उसके होंठों पर रख कर एक चुम्मा किया तो हम दोनों जैसे दूसरी दुनिया में, ज़न्नत में पहुँच चुके थे।

हम एक दूसरे के होंठ चूस रहे थे, जीभ चूस रहे थे।
कुछ देर बाद जैसे मुझे होश आया और मैं चुम्बन करते करते उसकी चूचियों पर अपने हाथ ले आया और उन्हें दबाने लगा।

फिर मैं उसे कमरे में ले आया, मैंने सोचा कि बिस्तर पर लेटकर उसकी चूचियों से मजा लूँ। लेकिन मेरे लेटने से पहले ही उसने कपड़ों के ऊपर से मेरा लंड पकड़ लिया और उसको मसलने लगी, बोली- सारा मजा अकेले ही लूटेगा क्या ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

ऐसा बोल कर उसने मेरी पैंट खोल कर मेरा लंड बाहर निकाला और चूसने लगी। वो तो जानवर जैसे मेरे लंड को चूस रही थी।

मैं तो जैसे बादलों में था।

फिर कुछ देर तक लंड चूसने के बाद उसने अपनी सलवार और पेंटी उतार दी और मुझसे बोली- आज तू अपनी बहन को चोद कर बन जा बहनचोद! फाड़ डाल मेरी बुर!
वो तो वासना के पूरे जोश में थी!

फिर मैं उसके ऊपर लेटा, उसके एक चूचे को आम की तरह चूसने लगा.. साथ एक हाथ से दूसरा चूचा मसलने लगा और दूसरे हाथ की उंगली को बुर में घुसाने लगा।
यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

आनन्द के मारे वो तो पूरी उछल रही थी और चिल्लाने लगी थी- हमम्म उम्म्ह… अहह… हय… याह… आहह उहह ससस्स! बोली- भाइ मेरे… मुझे ना तड़पा… मार दे मेरी बुर! नहीं तो मैं तड़प कर ही मर जाऊँगी।

फिर मैंने अपना मुँह उसकी गुलाबी बुर के पास किया.. बुर पर एक भी बाल नहीं था, हल्का हल्का पानी निकल रहा था और उसकी खुशबू मेरी नाक में जा रही थी।
मैंने हल्की सी जीभ उसकी बुर पर लगाई.. क्या गर्म बुर थी! मैं उसे चाटने लगा और वो ‘आअहह उम्म ह्म्म्म अम्म जैसी आवाजें निकालने लगी।

मैंने अपने हाथ के बीच की लम्बी वाली उंगली उसकी बुर में घुसाई.. वो बहुत टाईट थी, लेकिन सील टूटी हुई लग रही थी.. वो वर्जिन नहीं लगती थी।
मैं अपनी पूरी उंगली उसकी बुर में डाल कर आगे पीछे करने लगा और वो सिसकारियाँ भरती रही।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कुछ देर बाद वो डांटते हुए मुझसे बोली- अमन, देर क्यूं लगा रहा है, बाड़ दे अपना लंड मेरी फुद्दी में !

मैंने अपना लंड उसकी बुर के मुहाने पर रखा और डालने की कोशिश की तो वो आधे से थोड़ा कम अन्दर घुस गया। तभी वो ज़ोर से चिल्लाई- आआहाआ हह !
जैसे उसे कोई खजाना मिल गया हो !
मैंने दो तीन धक्के लगाते हुये पूरा लंड उसकी बुर में घुसा दिया। मुझे भी थोड़ा दर्द महसूस हुआ.. क्योंकि उसकी बुर काफ़ी टाईट थी।
अब वो मजे से सिसकारने लगी, किलकारियां मारने लगी, बहुत शोर कर रही थी वो !

मैंने उसकी एक चूची मुंह में लेकर चूसने लगा और नीचे धक्के मारने लगा, दोनों तरफ काम जारी रखा। वो ;आह आ आ हम्म्म्म…’ करने लगी।
फिर कुछ देर के बाद मैं स्पीड बढ़ा कर अपनी बहन की देसी बुर चोदने लगा। अब वो और भी गर्म हो गई थी और गांड उछाल उछाल कर चुदवा रही थी, आआहह सस्स्सस्स उम्म आअहह करके सिसकारियां ले रही थी।

फिर मैंने उसे घोड़ी बनाया और पीछे से लंड अपनी बहन की बुर में डाल दिया.. इस बार लंड जल्दी अंदर चला गया.. क्योंकि वो चुदाई के दौरान शायद झड़ चुकी थी पर मैं अब तक इसलिये नहीं झड़ा था क्योंकि मैंने सुबह ही अपनी मॉम और उसके नाम की मुठ मारी थी।

अब मैं उसे खड़ा करके डाइनिंग टेबल पर लाया और उस पर बिठाकर उसकी टाँगें ऊपर अपने कंधों पर रख कर उसे चूमते चूमते चोदने लगा और फिर 5 मिनट बाद मैं भी झड़ गया।

हम कमरे में आकर एक दूसरे की बाहों में लेट गये और फिर हम शाम को उठे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तब जूही ने अपने बैग़ से एक गोली निकाल कर खाई।

मैंने पूछा तो बोली- भाई, तूने अपना माल मेरी बुर में छोड़ दिया था तो प्रेग्नेन्सी से बचने के लिए यह गोली खाई है।
'लेकिन तेरे पास यह गोली कैसे आई ?'
'भाई इसकी तो जरूरत पड़ती रहती है, एक दो गोली तो मैं हमेशा अपने पास रखती हूं !'

अपनी चचेरी बहन की बात सुन कर तो मेरे दिमाग ने काम करना बन्द कर दिया। मेरी बहन तो चालू माल निकली और मैं इस पर हाथ डालते हुए डर रहा था।
मुझे पता लग गया कि देसी गर्ल भी शहर की छम्मक छल्लो से कम नहीं रही है…

फ़िर उसने खाना बनाया और हमने एक ही थाली में खाना खाया और पानी की जगह दूध पिया वो भी एक ही ग्लास में.. क्योंकि मुझे पता था कि उससे ताकत मिलती है। फिर उस दिन मैंने उसकी बहुत जमकर चुदाई की !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Antarvasna Hindi Stories

URL: www.antarvasnahindistories.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Antarvasna Hindi Sex stories gives you daily updated sex stories.

Urdu Sex Videos

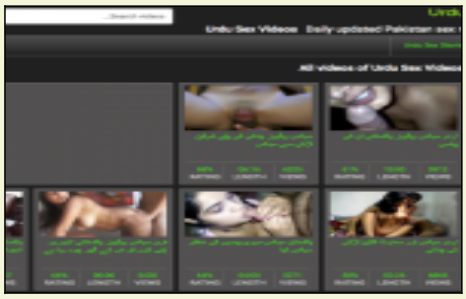

URL: www.urduchudai.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Urdu **Site type:** Video **Target country:** Pakistan Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Suck Sex

URL: www.sucksex.com **Average traffic per day:** 250 000 GA sessions **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Marathi, Malayalam, Gujarati, Bengali, Kannada, Punjabi, Urdu **Site type:** Mixed **Target country:** India The Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action.

Meri Sex Story

URL: www.merisexstory.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Hindi, Desi **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Hindi sex stories, Indian sex, Desi sex kahani.

Indian Gay Site

URL: www.indiangaysite.com **Average traffic per day:** 52 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India We are the home of the best Indian gay porn featuring desi gay men from all walks of life! We have enough stories, galleries & videos to give you a pleasurable time.

Desi Kahani

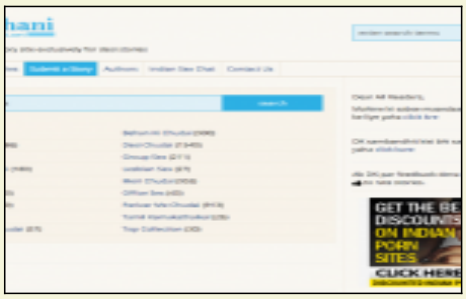

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire